IJAER/March-April 2017/Volume-5/Issue-5 ISSN: 2278-9677

International Journal of Arts & Education Research

भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का जीवन और संघर्ष

Salim Banadar M.A,M.Phil

Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Dharwad

saleembandar@gmail.com

9986327672

21 वीं सदी का यह युग महिला सशक्तीकरण का युग है। राष्ट्रपति पद की दौड़ में पहली बार एक महिला ने सफलता के नये मानदण्ड स्थापित किए हैं। समाज, देश और नारी जाति के लिए यह गौरव का विषय है।

प्रंरभिक जीवन

प्रतिभा जी का जन्म दिसम्बर 19, 1934 में महाराष्ट्र के जलगांव जिले में हुआ। पिता का नाम श्री नारायणराव पाटिल। उन्होंने जलगाँव के मूलजी जेठा कॉलेज से स्नातकोत्तर (एम.ए) और मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज (मुंबई विश्वविद्यालय) से कानून की पढ़ाई की। विद्यालय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए भी प्रतिभा पाटिल ने अपने व्यक्तित्व का विकास अन्य गतिविधियों में लिप्त रहते हुए किया। भाषण, वाद-विवाद एवं खेलकूद की गतिविधियों में भी प्रतिभा पाटिल का वैशिष्ट्य भाव उभरकर सामने आया। वह मात्र शैक्षिक पुस्तकों में ही लिप्त नहीं रहती थीं, वरन् व्यक्तित्व के सभी पहलुओं की ओर उनका ध्यान था। प्रतिभा पाटिल को शास्त्रीय संगीत के प्रति भी गहरा लगाव था। वे टेबल टेनिस की अच्छी खिलाड़ी थीं तथा उन्होंने कई अन्तर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं में विजय प्राप्त की। 1962 में वे एम.जे.कॉलेज में कॉलेज-क्वीन चुनी गयीं। उनका विवाह शिक्षाविद देवीसिंह रणसिंह शेखावत के साथ 7 जुलाई, 1965 को हुआ। उनकी एक पुत्री तथा एक पुत्र हैं। श्री शेखावत के पूर्वज राजस्थान के सीकर जिले के थे और बाद में जलगांव महाराष्ट्र जाकर बस गये थे।

राजनीतिक जीवन

साड़ी और बड़ी सी बिंदी लगाने वाली यह साधारण पहनावे वाली महिला राजनीति में आने से पहले सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही थी। 1962 में उन्होंने एदलाबाद क्षेत्र से विधानसभा चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर विजय प्राप्त की। श्रीमती पाटिल ने 27 वर्ष की अवस्था में 1962 में राजनीतिक जीवन का प्रारंभ कांग्रेस के वरिष्ट नेता और महाराष्ट्र के भूतपूर्व मुख्यमंत्री यशवंत राव चव्हाण की देखरेख में प्रारंभ किया।

1962 से 2003 तक महाराष्ट्र सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाला। श्रीमती पाटिल को 8 नवम्बर 2004 को राजस्थान की राज्यपालिका के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति पद पर निर्वाचन के लिए 22 जून 2007 को राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने बुधवार 25 जुलाई, 2007 को औपचारिक रूप से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का दायित्व ग्रहण किया।

भव्य एवं गरिमामयी व्यक्तित्व के बावजूद अपनी जनसाधारण की छवि वाली सुश्री प्रतिभा पाटिल का भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति के रूप में सामने आना हमारे देश के इतिहास में विशेष महत्त्व की घटना है।

सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ

श्रीमती पाटिल की विशेष रुचि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास और महिलाओं के कल्याण में है। महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य किया और मुम्बई, दिल्ली में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास, निर्धन और जरूरतमंद महिलाओं के लिए सिलाई कक्षाओं, अमरावती में दृष्टिहीनों के लिए एक औद्योगिक प्रशिक्षण विद्यालय, पिछड़े वर्गों और अन्य पिछड़े वर्गों के बच्चों के लिए नर्सरी स्कूल खोल कर उल्लेखनीय योगदान दिया तथा किसान विज्ञान केन्द्र, अमरावती में किसानों को फसल उगाने की नई एवं वैज्ञानिक तकनीकें सिखाने, संगीत और कम्प्यूटर की कक्षाएं आयोजित की। ग्रामीण युवाओं के लाभ हेतु जलगांव में इंजीनियरिंग कॉलेज के अलावा श्रम साधना न्यास की स्थापना की।

उपसंहार

21 वी सदी में अनेक महापुरूषों और स्त्रियों पर जीवनयाँ लिखीं गई है । उनमें भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति **प्रतिभा पाटल** पर भी जीवनी लिखी गई है । प्रतिभा पाटिल 21 वीं सदी के महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रही हैं । नारी सशक्तिकरण के लिए उदाहरण है । भारतीय राजनीतिक क्षेत्र में पुरूषों के कंदे से कंदा मिलाकर ऐसा कार्य कर दिखाया है जिसके कारण आधुनिक भारत की नारी के लिए सम्मान और गर्व की बात है ।

प्रतिभा पाटिल अपने राजनीतिक जीवन में महिलाओँ और ग्रमीण किसान और युवाओं के लिए कई योजनाओँ के माध्यम से सफल कार्य किए हैं । इनका राजनीतिक जीवन जितना संघर्षमय रहा उतना ही महिलाओं के लिए मार्गदर्शी रहा । भारत की पहली राष्ट्रपति बनकर देश के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया ।

एक सफल राजनीतिज्ञ के सभी गुण उनमें हैं। उच्चशिक्षा की पृष्ठभूमि, महाराष्ट्र में मंत्री पद संभालने का अनुभव और राष्ट्रपति बनने से पहले, राजस्थान के गवर्नर का कठिन दायित्व निभाना। प्रतिभा जी की जीवन-यात्रा एक छोटे-से शहर जलगाँव से शुरू होकर, विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए, राष्ट्रपति भवन तक पहुँची हैं। देश की स्वतंत्रता के साठ वर्ष बाद किसी महिला को इतना उच्च पद प्राप्त हुआ है और यह ऐतिहासिक सफलता है।

संदर्भ ग्रंथ -

1. प्रतिभा पाटिल प्रथम महिला राष्ट्रपति –रीतू सिंह- राजपाल एंड सन्स 2011
2. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल – कुमार पंकज- डायमंड बुक्स